

श्रम(भारज

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3-- उपखण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 13

नई विस्ली, शनिबार, जनवरी 19, 1974/पौष 29, 1895

.vo. 13]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 19, 1974/PAUSA 29, 1895

इस भाग में भिन्न पष्ट संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th January 1974

G.S.R. 13(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Salaries and Allowances of Ministers Act, 1952 (58 of 1952), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Ministers' (Allowances, Medical Treatment and other Privileges) Rules, 1957, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Ministers' (Allowances, Medical Treatment and other Privileges) Amendment Rules, 1974.
 - (2) They shall be deemed to have come into force on the 9th November, 1973.
- 2. In the Ministers' (Allowances, Medical Treatment and other Privileges) Rules. 1957, in sub-rule (3) of rule 3,—
 - (i) for clause (a) the following clause shall be substituted, namely: -
 - "(a) the Minister of Supply and Rehabilitation, with effect from 9th November, 1973, a sumptuary allowance of Rs. 250 per mensem."

- (ii) for clause (c), the following clause shall be substituted, namely:
 - "(c) the Minister of Labour and the Minister of Information and Broadcasting, with effect from the 9th November, 1973, a sumptuary allowance of Rs. 250 per mensem;"
- (iii) in clause (e) the words "and the Minister of Health and Family Planning" shall be omitted.

Memorandum

Sumptuary allowance given to Ministers, who are not members of the Cabinet, is determined in each case having regard to the requirements of the particular assignment of the Minister. Formulation and consideration of proposals in this behalf take time and the amendment had, therefore, to be given retrospective effect. No one's interest is prejudicially affected by reason of restrospective effect, as is being given in this Notification.

[No. 4/6/73-Pub.I]

K. R. PRABHU, Jt. Secy.

गृह भन्त्रारुय

ग्रधिम्बना

नई दिल्ती, 19 जनवरी, 1974

सा का विन 13 (ग्र). — केन्द्रीय सरकार, मंत्रियों के संबलमों ग्रीर भत्तों से सम्बन्धित ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 58) की धारा 11 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, मंत्रियों के (भत्ते, चिकित्मीय उपचार ग्रीर ग्रन्थ विशेषाधिकार) नियम, 1957 में ग्र मंशोधन करने के लिए निम्मलिखि तियम बनाती है, ग्रर्थातु —

- (1) इन नियमों का नाम मित्रियों के (भन्ते, चिकित्सीय उपचार श्रौर अन्य विशेषा-धिकार) संगोधन नियम, 1974 है।
 - (2) ये नियम 9 नवस्बर, 1973 को प्रवृत्त हुए समझे जाएमे ।
- मंत्रियों के (भने, चिकित्सीय उपचार श्रीर श्रन्य विशेषाधिकार) नियम, 1957 में, नियम 3 के उप नियम (3) में,—
 - (i) खंड (क) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, श्रथीत् ---
 - ''(क) पूर्ति श्रोर पुनर्वास मन्नी, 9 नवस्वर, 1973 से 250 रुपये प्रितिसास का समन्त्ररी भत्ता ।''
 - (ii) खड़ (ग) के स्थान पर, जिस्तलिखित खड़ रखा जात्गा, श्रर्थात् :~~
 - ''(ग) श्रम मंत्री तथा सूचना श्रीर प्रसारण मंत्री, 9 नवस्त्रर, 1973 से 250 रुपये प्रति साम का समच्छरी भना ; ''
 - (ini) खड़ (ङ) में, 'तथा स्वास्थ्य ग्रीर परिवार नियोजन मंत्री ' शब्दों का लोप किया जार्या ।

न्नापन

ऐसे मंत्रियों को जो मंत्रिमंडल के सदस्य नहीं हैं, दिया जाने वाला समचुत्ररी भत्ता प्रत्येक मामले में उस मंत्री के विक्षिष्ट ममनुदेशन की प्रपेक्षाओं का ध्यान रखते हुए, ग्रवधारित किया जाता है। इस निमित प्रस्तावों को बनाने और उन पर विचार करने में समय लगता है और इसलिए इस संशोधन को भूनलक्षी रूप से प्रभावों किया गया है। इस भूनलक्षी प्रभाव के कारण, जैसा ॄंकि इस श्रिध-सूचना में किया गया है, किसी भी व्यक्ति के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता।

[सं० 4/6/73-पब्लिक-1] के० ग्रार० प्रभू, संयुक्त सचिव।